अरे मन मुसाफिर निकलना पड़ेगा

अरे मन मुसाफिर निकलना पड़ेगा।
ये काया का घर खाली करना पड़ेगा ॥

किराये के क्वाटर को तू क्या सम्भाले,
क्वाटर का मालिक जब तुझको निकाले,
क्वाटर का भाड़ा तुझको भरना पड़ेगा,
ये काया...

जब आएगी नोटिस न होगी जमानत,
तेरे पास होगी ना कुछ भी अमानत,
जैसा भी बैठा होगा चलना पड़ेंगा,
ये काया...

धर्मराज की कचहरी में जब तुम जाओगे,
पूछेगा मालिक तो क्या बतलाओगे,
पापों की अग्नि में जलना पड़ेगा,
ये काया का...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5730/title/are-man-mushafir-nikalna-padega-ye-kaya-ka-ghar-khali-karna-padega

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |